ABSTRACT

The teaching-learning process has undergone tremendous shifts in the 21st century. There is also a paradigm shift in the education system during the pandemic COVID-19. Several innovations have taken place towards making education student-centric. Presently, the learning system moves beyond the recall of various facts and focuses on developing 21st century skills such as problem-solving and creativity by providing opportunities for deeper engagement and satisfaction in the process of learning. Massive Open Online courses provide enormous opportunities for millions of learners to participate in free higher education courses via online mode. The present study aims to find out student satisfaction and student engagement in massive open online courses concerning their demographic variables and find out the validity and reliability of both the student satisfaction and engagement scales. The researcher used a self-prepared questionnaire entitled "Student satisfaction in MOOCs" to measure student satisfaction in higher education and adopt a "MOOC engagement scale" tool. The demographic variables adopted in the study are gender and educational background of the students who have completed at least one MOOC. The target population constitutes all higher education students studying in MOOCs all over India. A sample of 240 students was chosen by using convenient sampling. The findings reveal no substantial difference in student satisfaction or involvement in MOOCs between male and female students. On the other hand, there is no discernible difference in student satisfaction and engagement based on educational background also. There is a strong relation between student satisfaction and student engagement. According to the findings, MOOCs give students equal chances irrespective of their gender and educational background, and they are equally engaged and satisfied with the quality of the courses available.

शोधसंक्षिप्तिका-

21वीं सदी में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में जबरदस्त बदलाव आया है। महामारी-COVID-19 के दौरान शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव आया है। शिक्षा को छात्रकेंद्रित बनाने की दिशा में कई नवाचार हुए हैं। वर्तमान में- सीखने की प्रणाली विभिन्न तथ्यों की याद से आगे बढ़ती है और सीखने की प्रक्रिया में गहन जुड़ाव और संतुष्टि के अवसर प्रदान करके समस्या समाधान और रचनात्मकता जैसे-21 वीं सदी के कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करती है। बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम लाखों शिक्षार्थियों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से मुफ्त उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में भाग लेने के अपार अवसर प्रदान करते हैं। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य उनके जनसांख्यिकीय चर से संबंधित बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में छात्र संतुष्टि और छात्र जुड़ाव का पता लगाना है और छात्र संतुष्टि और उनकी सहभागिता दोनों की वैधता और विश्वसनीयता का पता लगाना है। शोधकर्ता ने उच्च शिक्षा में छात्रों की संतुष्टि को मापने और एमओओसी(MOOC) एंगेजमेंट स्केल टूल को अपनाने के लिए एमओओसी में छात्र संतुष्टि नामक एक स्वतैयार प्रश्नावली का उपयोग किया। अध्ययन में - अपनाए गए जनसांख्यिकीय चर उन छात्रों के लिंग और शैक्षिक पृष्ठभूमि हैं । लक्षित जनसंख्या पूरे भारत में छात्रों एमओओसी में पढ़ने वाले सभी उच्च शिक्षाजिन्होंने कम से कम एक एमओओसी पूरा कर लिया है का गठन करती है। सुविधाजनक न्यादर्शन का प्रयोग कर 240 विद्यार्थियों का एक प्रतिदर्श चुना गया। परिणाम दर्शाता है कि एमओओसी(MOOC) में छात्र संतुष्टि और जुड़ाव दोनों में पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। दूसरी ओर, छात्रों की शैक्षिक पृष्ठभूमि में छात्र संतुष्टि और जुड़ाव दोनों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। छात्र संतुष्टि और छात्र जुड़ाव के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। वर्तमान अध्ययन इंगित करता है कि छात्रों को एमओओसी से समान अवसर मिल रहे हैं और वे एमओओसी में प्रदान किए गए पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता से समान रूप से जुड़े हुए हैं और संतुष्ट हैं।